हे शिव शंकर भक्ति की ज्योति अब तो जला दो मन में

हे शिव शंकर,
भक्ति की ज्योति,
अब तो जला दो मन में,
राग द्वेष से कलुषित ये मन,
उज्ज्वल हो पल छिन में।bd।

तेरी डमरू से निकले है,
ओमकार स्वर प्रतिपल,
मै रम जाऊँ तुझमे भगवन,
तू रम जा नैनन में,
है शिव शंकर,
भक्ति की ज्योति,
अब तो जला दो मन में।bd।

भस्म रमाये तन पे तू क्यों,
इसका राज बतादो,
बीत गये कुछ अब न बीते,
बाकी क्षण बातन में,
है शिव शंकर,
भक्ति की ज्योति,
अब तो जला दो मन में।bd।

किसका ध्यान धरे कैलाशी,
इसका ज्ञान अमर दो,
तू है या फिर ध्यान धरे जो,
वो बैठा कण कण में,
है शिव शंकर,
भक्ति की ज्योति,
अब तो जला दो मन में।bd।

हे शिव शंकर,
भक्ति की ज्योति,
अब तो जला दो मन में,
राग द्वेष से कलुषित ये मन,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उज्ज्वल हो पल छिन में।bd।

गीतकार – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com